प्रशासन की मुस्तैदी और जन सहयोग से महामारी पर काबू

संगीता चौधरी
राजसमंद, राजस्थान

विश्व में चल रही महामारी कोरोना (Covid-19) को लेकर पूरा विश्व परेशान है। इस महामारी से लाखों लोग ग्रसित हैं और कई काल के गाल में समा भी चुके हैं। यह महामारी विश्व के लगभग सभी देशों में फ़ैल चुकी है और तीव्रता से फैलती जा रही है। लेकिन अभी तक इसका कोई ठोस इलाज नहीं निकला है। ऐसे में इसका एकमात्र इलाज सोशल डिस्टन्सिंग यानि दो व्यक्तियों के बीच कम से कम तीन फीट की दूरी या कुछ समय के लिए समाज से दूर खुद को घर में बंद रखना।

भारत में भी इस मंत्र को अपनाया गया और 23 मार्च से 3 सप्ताह के लिए पूरे देश में लॉक डाउन घोषित कर दिया गया। इस दौरान लोगों को होने वाली असुविधा को ध्यान में रखते हुए कई आवश्यक सेवाओं को जारी रखने का फैसला भी किया गया। लेकिन कोरोना पीड़ितों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए लॉक डाउन को 3 मई तक के लिए बढ़ा दिया गया। इसका बहुत सुखद परिणाम हुआ कि देश के कई ज़िले कोरोना प्रभावित होने से बच गए। वहां 30 अप्रैल तक इक्का दुक्का अथवा कोई भी कोरोना पॉज़िटिव केस नहीं मिला।

राजस्थान का राजसमंद भी ऐसा ही एक ज़िला है जहां 30 अप्रैल तक केवल एक कोरोना पॉज़िटिव केस देखने को मिला है। जो मुंबई से आया था और ज़िले में प्रवेश करते ही उसने एक जागरूक नागरिक का परिचय देते हुए स्वयं प्रशासन को अपने आने की खबर दी। प्रशासनिक सतर्कता के कारण ही आज राजसमंद के लोग चैन की साँस ले पा रहे हैं। इस सुखद परिणाम के पीछे जहां प्रशासन की तत्परता थी तो वहीं दूसरी ओर जनता का भरपूर सहयोग भी कारगर सिद्ध हुआ। ज़िला प्रशासन द्वारा बरती गई सतर्कता ने इस ज़िले को कोरोना महामारी की भयावता से दूर रखा है।

दरअसल महामारी और फिर लॉक डाउन की घोषणा के साथ ही जिला प्रशासन ने तत्परता के साथ योजनाएं बनाई और सबसे पहले ज़िले की सभी सीमाओं को सील कर दिया गया तथा अतिरिक्त चौकसी भी बढ़ा दी गई। इसकेअलावा पुलिसकर्मियों द्वारा गांव गांव जाकर वहां के सरपंच एवं अन्य पंचायत सदस्यों तथा शहरी क्षेत्रों के सभी पार्षदगणों को लॉक डाउन सफल बनाने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई। प्रशासनिक मुस्तैदी को देखते हुए ही सरकार ने सरकारी कार्यालयों में सोशल डिस्टन्सिंग का पालन करते हुए उसे खोलने की घोषणा की है।

वास्तव में राजसमंद जिला ने एक उदहारण प्रस्तुत किया है कि यदि प्रशासन सतर्क और तत्पर हो तो किसी भी आपदा से आसानी से निपटा जा सकता है। इसने प्रशासन और जन भागीदारी की एक मिसाल कायम की है, जिससे देश के अन्य ज़िलों को भी प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।